IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

अनुसूचित जनजाति विद्यार्थियों की समस्या समाधान योग्यता एवं तार्किक क्षमता का उनके व्यवसाय विकल्प जागरूकता पर प्रभाव का अध्ययन

शोधार्थी का नाम श्रीमती वाणी मसीह शोध निर्देषक का नाम डा. (श्रीमती) सुरेखा विनोद पाटिल भिलाई, प्राचार्य मैत्री कालेज, रिसाली, भिलाई।शोध सहनिर्देषक का नाम डा. (श्रीमती) सुमीत्रा मौर्य सह. प्राध्यापक कल्याण स्नातकोत्तर महाविद्यालय, भिलाई।

सारांश

भारतीय संविधान की धारा 342 मे वन प्रात वाली पर्वती जातियों को अनुसूचित जनजाति के रूप में स्वीकार किया गया है । अनुसूचित जनजाति के लोग शर्मीले स्वभाव के कारण अपने छोटे से दायरे मे सीमित संसाधनो के साथ जीने लगते है , परिणाम स्वरूप अनुसूचित जनजाति के किशोरों का व्यक्तित्व अन्य किशोर बच्चों से अलग ही प्रकार का विकसित होता है। इनका दृष्टिकोण शैक्षिक उपलब्धि, सृजनात्मक, समस्या समाधान योग्यता, तार्किक योग्यता अन्य वर्ग के किशोर बच्चों से बिल्कुल भिन्न होता है। अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थी साधन विहीन क्षेत्रों में रहने के कारण समस्या के समाधान की अलग सोच व विलक्षण प्रतिभा होती है उनकी योग्यताओं व प्रतिभाओं की जानकारी से उन्हें सही दिशा में अग्रसर होने में सहायता प्रदान किया जा सकता है । उनकी रूचि के अनुसार सही व्यवसाय के चुनाव में सहायता किया जा सकता है। आदिवासी नक्सली क्षेत्रों में विभिन्न पोटा केबिन, स्कूल कन्या छात्रावास, सक्षम, नन्हे परिंदे, छू लो आसमान बालिका बालक शालाओं का निर्माण हुआ है जहां उनकी रुचि स्तर के अनुसार शैक्षिक सुविधाए प्रदान की जाती है। प्रस्तुत शोध कार्य मे नक्सल प्रभावित क्ष ेत्र दंतेवाड़ा जिला एवं बस्तर जिले के शासकीय एवं अशासकीय विद्यालया के 60 विद्यार्थियों तक सीमित है । इस अध्ययन का उद्देश्य शिक्षा के प्रति बस्तर संभाग 27 के आदिवासी आबादी के रवैये की जांच करना और सीखने की प्रक्रिया को नकारने वाली बाधाओ का पता लगाना है , जो सामाजिक-आर्थिक, सामाजिक-सांस्कृतिक विकास और समग्र उत्थान के लिए प्रमुख प्रवर्तक है। अध्ययन इंगित करता है, कि जनजातियों के जीवन स्तर और शिक्षा के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण के बीच एक मजबूत संबंध है।

कीवर्ड : अनुसूचित जनजाति, शैक्षिक उपलब्धि, सृजनात्मक, समस्या समाधान योग्यता, तार्किक योग्यता

प्रस्तावना -

शिक्षा का उद्देश्य हर व्यक्ति के ज्ञान रुचि आदतों एवं शक्तियों का विकास करना है जिससे कि उसे अपना उचित स्थान मिल सके और वह उसी स्थान का प्रयोग स्वयं और समाज को उच्च उद्देश्यों की ओर ले जाने में कर सकें I

माध्यमिक शिक्षा आयोग शिक्षा सामाजिक प्रक्रिया की एक स्थिति है जिसका उद्देश्य समाज के प्रत्येक सदस्यों को आजीवन अपने व र्ग में रहने योग्य बनाना,परंतु आज समाज के कुछ वर्ग ऐसे भी हैं जहां तक शिक्षा रूपी किरण नहीं पहुंच पाई है यह वर्ग अपनी ही सामाजिक,दायरेमें सिमट कर रह गए हैं एवं अन्य वन्य ,जीवन व्यतीत करते हुए सरकार द्वारा प्राप्त सुविधाआसे वंचित है इन्हें अनुसू चित जनजाति वर्ग में रखा गया है। ‘‘जनजाति ऐसे लोगों का समूह हैं,जिनकी अपनी संस्कृति होती हैं

‘क्रोबर केअनुसार’’:-

भारतीय संविधान की धारा 342 मे वनप्रान्त,वाली पर्वती जातियों को अनुसूचित जनजाति के रूप में स्वीकार किया गया है । अनुसू चित जनजाति के लोग शर्मीले,स्वभाव के कारण अपने छा टे से दायरे मे सीमितसंशाधनों के साथ जीने लगते है , परिणाम स्वरूप अ नुसूचित जनजाति के किशोरों का व्यक्तित्व अन्य किशोर बच्चों से अलग ही प्रकार का विकसित होता है। इनका दृष्टिकोण, शैक्षिक उपलब्धि, सृजनात्मक, समस्या समस्या समाधान योग्यता, तार्किक योग्यता अन्य वर्ग के किशोर बच्चों से बिल्कुल भिन्न होता है। अनु

सूचित जनजाति वर्ग के लोग पहाड़ी जंगली क्षेत्रोंनिवास करते हैं इन क्षेत्रोंमें यह आदिवासी छोटे समूहों में रहते हैं अतः इन विभिन्न स मूहों के लिए विद्यालय की स्थापना करने मे कठिनाइयां आती है। वनो के बीच जनजातियों की छा छोटीछोटी बस्तियों या गांव पाए जाते है

। अनुसूचित जनजाति का आर्थिक आधार कृषि एवं वन संसाधन है। तेंदूपत्ता, महुआ,जड़ी बूटिया, आंवला ,इमली, चिरौंजी, हर्रा, बहे ड़ा आदि वनो से एकत्रित करते है , साप्ताहिक बाजारों में इनके बदले आवश्यकता की वस्तुए जैसे नमक, कपड़ा, कृषि, औजार, मिट्टी का तेल, आजकल रेडियो, टार्च बहुत ही उपयोगी वस्तुएं भी खरीदते हुए दिर्खाइ देते है । छत्तीसगढ़ में प्रमुख अनुसूचित जन जातिया गोंड, मुरिया, मारिया, हलबा, , भुजिंया पंडो, बैगा, कमार, अबूझमाड़िया बिरहोर पाई जाती है। विद्यालय में अध्ययनरत प्रत्ये क विद्यार्थि याकी तार्किक क्षमता, शैक्षिक उपलब्धि, समस्या समाधान योग्यता रुचि में स्वाभाविक अंतर पाया जाता है। छात्रछात्राओं की चिंतन स्तर के साथ ही उनकी समस्या समाधान योग्यता, बुद्धि लब्धि रुचि एवं सृजनशीलता का विकास आवश्यक है ताकि वह इ स वैज्ञानिक युग में अपने प्रतिभाओं का सही उपयोग करते हुए जीवन की कठिनाइया सफल जीवन जी सके एवं अपने लिए सही व्यवसाय का चुनाव कर सकें।

सम्बंधित शोध अध्ययन

यादव विजय एवं बघेल एस (2018) इलाहाबाद जिले मेंमाध्यमिक विद्यालया के छात्रछात्राओं की तार्किक योग्यता का अध्ययन किया गया। जिसमें इलाहाबाद जनपद के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों केमाध्यमिक शिक्षा परिषद उत्तर प्रदेश तथा केंद्रीय शिक्षा परिषद के माध्यमिक विद्यालयाके कक्षा 11वीं 12वीं के विज्ञान तथा कला वर्ग के 800 जिसमें 400 हिन्दी माध्यम व 400 अंग्रेजी माध्यम के छात्र-छात्राओं को सम्मिलित किया गया । अध्ययन में एल. एन. दुबे तार्किक योग्यता मापनी का उपयोग किया गया।
अध्ययन में पाया गया कि,अंग्रेजी माध्यम के छात्र - छात्राओंतथा हिन्दी माध्यम के छात्र-
छात्राओं की तार्किक योग्यता में सार्थक अंतर होता है।

कुमार,एम (2020) उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के छात्रों के समस्या समाधान योग्यता एवं सृजनात्मक का अध्ययन किया अध्ययन में नागापटनम जिल े के उच्चतर माध्यमिक विद्यार्थियों को लिया गया। अध्ययन में पाया गया कि उच्चतर माध्यमिक स्तर के विद्या र्थियों में सृजनात्मकता तथा समस्या समाधान योग्यता में
कोई संबंध नहीं है। छात्र एवं छात्राओं की समस्या समाधान योग्यता में कोई सार्थक अंतर नहीं है तथा उच्चतर माध्यमिक छात्र एवं छात्र छात्राओं की सृजनात्मकता में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया गया।

शोध विधि तथा प्रविधियां,

इस शोध कार्य में शोधकर्ती के द्वारा वर्ण नात्मक सर्वेक्षण विधि का उपयाग किया है।

जनसंख्या –

इस शोध कार्य में शोधकर्ती के द्वारा अध्ययन को सफल बनाने हेतु नक्सल प्रभावित क्षेत् दंतेवाड़ा जिला एवं बस्तर जिले के अनुसूचित जनजाति के शासकीय एवं अशासकीय हाई स्कूल मे अध्ययनरत विद्यार्थी इस अध्ययन हेतु लि या गया।

न्यादर्श:-
शोधकर्ती द्वारा स्तरीकृत यादृच्छिक विधि के माध्यम से नक्सल प्रभावित क्षेत्र दंतेवाड़ा एवं बस्तर जिले के शासकीय एवं अशासकी य विद्यालयों के 60 विद्यार्थियों को प्रतिदर्श के रूप मेंचयन किया गया। हाई स्कूल (60) शासकीय एवं अशासकीय हाई स्कूल के (30) (30) महिला पुरूश महिला पुरूश (15) (15) (15) (15) अध्ययन हेतु लिया गया।

शोध के चर-

स्वतंत्र चर- समस्या समाधान योग्यता, तार्किक क्षमता

आश्रित चर –

अनुसूचित जनजाति के छात्र- छात्राओं

शोध में मानकीकृत अनुसंधान उपकरण-

1 समस्या समाधान योग्यता मापनी श्री एल . एन. दुबे समस्या समाधान योग्यता मापनी प्रमापीकृत की गई है उच्च वैधता एवं उच्च विष्वसनीयता ग ुणांक .78 रखती ह ै।

2 तार्किक योग्यता मापनी हेतु श्री एल. एन दुबे द्वारा विकसित एवं प्रमापीकृत की र्गइ है जो की उच्च वैधता .85 एवं उच्च विष्वसनीयता .91 रख ।

3 व्यवसाय विकल्प जागरूकता पैमाना श्रीमती एस. आनंद द्वारा विकसित व्यवसाय विकल्प जागरूकता मापनी एस. आनंद द्वारा विकसित ए पीकृत की गई है जो की उच्च वैधता .84 एवं उच्च विष्वसनीयता .71 रखती ह ै।

परिसीमन-

प्रस्तुत शोध क्षेत्र नक्सल प्रभावित दंतेवाड़ा जिला एवं बस्तर जिले के शासकीय एवं अशासकीय विद्यालया के 60 विद्यार्थियों तक सीमित रहेगा

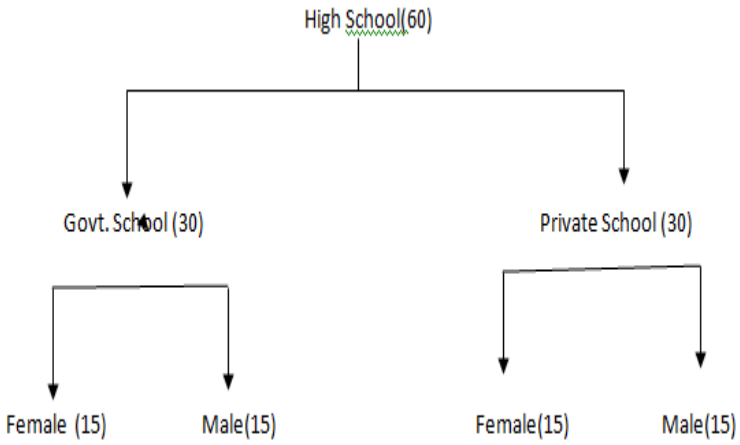

Fig. 1 Research Design

अध्ययन के उद्देश्य

अनुसूचित जनजाति विद्यार्थियों के अध्ययन बोर्ड, लिंग, शाला, प्रकार एवं समस्या समाधान योग्यता का व्यवसाय विकल्प जागरूक ता पर प्रभाव का अध्ययन करना।

निष्कर्ष

प्रस्तुत वर्णात्मक अध्ययन यह इंगित करता है,कि जनजातियों के जीवन स्तर और शिक्षा के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण के बीच एक मजबूत संबंध है। यद्यपि आदिवासी जनजातियों के लिए शिक्षा के माध्यम से सामाजिक परिवर्तन लाने के लिए सरकार और विभिन्न एजेंसियों द्वारा बहुत काम किया गया है, फिर भी यह क्षेत्र प्रसार और,गुणवत्ता केमामले में, अपर्याय लगता है। इस, अध्ययन का उद्देश्य शिक्षा के प्रति बस्तर संभाग 27 के आदिवासी आबादी केविद्यार्थियों की जांच करना औरसीखनेसिखाने की प्रक्रिया में आने,वाली बाधाओ का पता लगाना है।जो सामाजिक-आर्थिक, सामाजिक-सांस्कृतिक विकास और समग्र उत्थान के लिए प्रमुख प्रवर्तक है। अध्ययन मे पाया गया है कि, समस्या समाधान क्षमता में छात्र और छात्राछात्रायेसमान स्तर रखतेहै। , जबकि तार्किक योग्यता में छात्र, छात्राओं की अपेक्षा अच्छा प्रदर्शन करते है।
है। शहरी विद्यार्थियों की समस्या समाधान क्षमता एवं तार्किक योग्यता ग ्रामीण की तुलना में अधिक पाई गई है। मणिवन्नन एस एं व वेकटरमण (2021) के अध्ययन में पाया गया है।

संदर्भित ग्रन्थ

Ahuja Jyoti and Pooja, k. Nidhi (2017) A comparative study of problem solving ability of Science and art Senior Secondary School.(International Journal of academic research and development) vol.2 (4)ISSN-2455-4179,p.p 511-513

Anboucarassy. B (2015) Problem solving ability of Higher Secondary students in relation to their learning styles.

Anwar, E (2015) study of reasoning ability of secondary school students in relation to their intelligence Vol. 20 ISSN: 2279-0845

Baloch, R and Shah, N (2014) the significance of awareness about selection and recruitment process in students career decision making.

Foster, T (2000) the development of students problem solving skills from instruction emphasizing qualitative problem solving.

Gupta, M.and p. Pooja (2015) Effect of problem solving ability on academic achievement of high school student .vol. 4(2) ISSN-2277-1255

Gerber, B and L, Anne (2001) Relationships among informal learning environment, teaching procedures and scientific reasoning ability.

Hirschi, A and lage, D (2008) Using accuracy of self-Estimated interest type as a sign of career choice readiness in career assessment of secondary students. 30

Hooda, M and Devi, A (2018) development of reasoning ability and barriers among students.

Inchara, P and Gayathri, R and priya, V (2019) awareness on the choice of profession among school students. A survey

Kumar,M. (2020) study of problem solving ability and creativity among the higher secondary students. vol.8

Kapil H. k. (2004) Research Mothods.

Kunchon, J (2012) reasoning skills problem solving ability and academic ability implications for study program and career choice in the context of higher Education in Thailand.

Kumar, S. (2015) A study of career maturity in relation to family environment study habits and academic achievement among Senior Secondary students.

Kumar ,M .(2015) Study of Vocational maturity in relation to level of aspiration Scholars stick achievement and parental support among senior secondary students.

Kaur, j. and Gera, M. (2016) study of problem solving ability of adolescence in relation to parenting styles and resilience.

Kanmani, M and Nagarathinam, N (2017) problem solving ability and academic achievement of Higher Secondary students.

Malik, M (2020) scientific reasoning ability and academic achievement of secondary school students.

Meera, K.P. and Jamana M.K. (2013) Career attitude and career competency of higher secondary school Students .IOSR journal of Humanities and social science. 31

Manjula, M .and Nataraj, P (2012) A study of problem solving ability among the Matriculation school students. International Journal of teacher education research vol. 1(4) ISSN : 2319- 4642.

Mamta Chaturvedi and P.D. Pathak Education psychology.

Nasir, R and Lin, L (2012) the relationship between self concept and career awareness amongst students.

Putra, P and Ikshsan, M (2019) mathematical reasoning ability and learning independence of high school students through problem based learning model.